Criteria-3 (3.3.1) Annexure 03

❖ १६ मुद्रितानि तथा दुर्लभानि पुस्तकानि सन्ति । तेषां विवरणम् अत्र प्रस्तूयते-

१. Philosophy of Zoroastrianism and Comparative Study of Religion Vol.1 by Faredun Dadachanji comparison covers Gita also. Printed in 1941

२. महत्सङ्गाः, शारदापीठम्, प्रकाशनवर्षम्

३. पञ्चमहायज्ञाः

४. निरालम्बोपनिषत्, वि.सं.1958

५. गायत्रीमन्त्रभाष्यम्, वि.सं.1972

६. प्रवचनसार - पञ्चाग्नि-वैश्वानर विद्या, कर्ता - श्रीमत्परमहंस परिब्राजकाचार्य श्रोत्रियब्रह्मनिष्ठ श्री १०८ स्वामी त्रिवेणीपुरीजी महाराज के प्रवचन) संकलन व प्रस्तुति श्रीमती राजेश्वरी आनन्द संपादक अन्नपूर्णा भदोरिया

७. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (अध्याय २ - पाद १) स्मृतिपादः (गुजराती अनुवाद, प्रस्तावना अने टिप्पणी सहित) संपादिका - डो. पुनिता नागरजी देसाई जान्युआरी-2002. Pages 164. Rs.60/- Pub : Saraswati Pustak Bhandar Ahmedabad

८. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (नियत अभ्यासक्रमनो गुजराती अनुवाद प्रस्तावना अने टिप्पणी सहित) संपादिका - डो. पुनिता नागरजी देसाई, 1998, p.820. Rs.350/- Pub : Sarswati Pustak Bhandar Ahmedabad

९. गौडपादकारिका -माण्डुक्योपनिषत्संवलिता - (प्रस्तावना, मूळग्रंथ, गुजराती भाषान्तर अने विवरण साथे) संपादिका डो.सुहास धर्मेन्द्रसिंह झाला, 2004, Pages 222; Pub : Sarswati Pustak Bhandar, Ahmedabad

१०. आयुर्वेद अने आधुनिक रसायन (धातुवर्ग-सचित्र) कर्ता मूळचंद रतनजी एन्जिनियर पब्लीशर-जीवनलाल अमरशी महेता प्रकाशन वर्ष 1930

११. १०८ उपनिषद् (सरल हिन्दी भावार्थ सहित) संपादक वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य तथा माता भगवती देवी शर्मा, प्रकाशक-ब्रह्मवर्चस शान्तिकुंज हरिद्वार, प्रकाशन वर्ष 1999

१२. बृहदारण्यक- सम्बन्धभाष्य-वार्तिक सुरेश्वराचार्य विरचित, १०८ श्री स्वामी महेशानन्द गिरिजी व्याख्याकार एवं भाषांतरकार, प्रकाशन श्री दक्षिणामूर्ति, मठ, प्रकाशन वाराणसी, प्रकाशन वर्ष 1999 270/- रु.

१३. कैवल्योपनिषद्-प.पू. स्वामिनी तन्मयानंदजी सरस्वती, प्रकाशक सोमैया ट्रस्ट मुंबई, प्रकाशन वर्ष 2002

१४. कैवल्योपनिषद् - कैवल्योपनिषत् - दीपिकाख्यख्यासमलंकृता, प्रकाशक – परम प्रमाण दर्शन, वलसाड. प्रकाशन वर्ष 2008

१५. मोहमुद्गरस्तोत्रम् (प्रस्तावना, श्लोक, अन्वय, अनुवाद, अभ्यासनोंध सहित), पुनिता नागरजी देसाई संपादक, सरस्वती पुस्तक भंडार प्रकाशक, 1999

१६. Mimamasa-Paribhasa of Krsna Yajvan, Translated and Annotated by Swami Madhavananda, Advaita Ashrama, Culcutta,

एतानि विरलपुस्तकानि दुर्लभपुस्तकानि तथा हस्तप्रतग्रन्थाः मातृकाः सन्ति ।